# अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से.....

1 फरवरी, 2022

*प्रिय साथियों,*

पिछले कुछ वर्षों में, हमने लगातार नई परियोजनाओं से अपने पोर्टफोलियो का निर्माण किया है। इस अवधि के दौरान, हमने 6 नई परियोजनाओं में निर्माण कार्य शुरू किया है और कई अन्य परियोजनाएं सरकार द्वारा अंतिम मंजूरी के करीब हैं। एनएचपीसी पहले ही उच्च विकास क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है और आगामी नई परियोजनाएं हममें से प्रत्येक को पेशेवर रूप से विकसित होने और शीर्ष संगठनों में एनएचपीसी को अपनी जगह बनाने में मदद करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करती हैं। अगले 5–6 वर्ष में आप सभी से और अधिक कार्य निष्पादन और प्रतिबद्धता की अपेक्षा है। एक गुण जो अक्सर महान संगठनों को औसत दर्जे के संगठनों से अलग करता है, वह है चुनौतियों का सामना करने का गुण और निर्णायक कार्रवाई करने की इसकी क्षमता। मैंने इन पहलुओं पर जोर दिया है और आप सभी को संगठन के हित के लिए साहसिक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया है और सशक्त बनाया है। फिर भी मैंने देखा है कि हम में से अधिकांश निर्णय लेकर आगे बढ़ने के बजाय यथास्थिति को प्राथमिकता देते हैं। निर्णय नही लेने से समस्या का समाधान नहीं होगा, यह केवल इसे बढ़ाएगा। आप भविष्य के वरिष्ठ अधिकारी व संगठन के भविष्य के लीडर बनने जा रहे हैं और एनएचपीसी निर्णय लेने में संकोच करने वाले लीडरों को सहन नहीं कर सकती। यदि आप कोई निर्णय नहीं लेते हैं, तो आप संगठन के साथ–साथ स्वयं से भी बहुत अन्याय कर रहे हैं। निर्णय लें, भले ही वह गलत निकले। आप अपनी गलतियों से सीखेंगे और इससे प्राप्त अनुभव आपको भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा।

मुझे लगता है कि अधिकांश अधिकारियों में एक कमी है, और वह है अपने स्वयं के कार्य और प्रदर्शन का मूल्यांकन करना। व्यक्ति को अपने कार्यों को नियमित मामलों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, आत्म–मूल्यांकन करना और दैनिक आधार पर संगठन के विकास में किए गए अपने कार्यों और योगदान की समीक्षा करना भी महत्वपूर्ण है। इस दृष्टिकोण को अपनाकर व्यक्ति अपनी दक्षता और प्रदर्शन में सुधार कर सकता है और निश्चित रूप से संगठन के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

एक अन्य क्षेत्र जहां हमें कार्य करने की आवश्यकता है, वह है हमारे पेशेवर ज्ञान और पेशेवर क्षमता को अद्यतन करना। इस तेजी से बढ़ते और तकनीकी रूप से विकासशील दुनिया में, कोई भी पर्याप्त पेशेवर ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता है। व्यावसायिक ज्ञान और योग्यता निर्णय लेने की क्षमताओं के साथ परस्पर जुड़ी हुई है। क्या आपने कभी सोचा है कि लोग निर्णय क्यों नहीं लेते? जवाब बहुत सरल है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनमें पेशेवर क्षमता की कमी है और वे निर्णय लेने में संकोच करते हैं। औसत नियम के अनुसार, यदि आप दस निर्णय लेते हैं, तो पाँच सही होने चाहिए। यदि आपके पास पेशेवर ज्ञान और पेशेवर क्षमता है, तो नौ सही होंगे, और जो सही नहीं हो सकता है वह शायद आपके वरिष्ठ अधिकारी या सहयोगी द्वारा सही किया जाएगा। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि आप अपने कौशल को उन्नत करने और अपनी पेशेवर क्षमता में अतिरिक्त आयाम जोड़ने पर ध्यान दें।

इसके अलावा, मैं सभी अधिकारियों और संबंधितों से स्थानीय लोगों के साथ मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने का भी आग्रह करता हूँ। हमें स्थानीय रीति–रिवाजों / परंपराओं का भी सम्मान करना चाहिए। हमें स्थानीय मुद्दों से निपटने के दौरान संवेदनशील, बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए। यह एक अनुकूल वातावरण बनाने और हमारी परियोजनाओं का समय पर निर्माण करने के लिए स्थानीय लोगों का समर्थन हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है।

साल का पहला महीना हमारे लिए कुछ रोमांचक घटनाक्रम लेकर आया है। एनएचपीसी ने ''ओडिशा में विभिन्न जल निकायों पर 500 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं के विकास'' के लिए दिनांक 04.01.2022 को ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड (GEDCOL)के साथ प्रमोटर समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम कंपनी में एनएचपीसी और GEDCOL की इक्विटी शेयरधारिता 74:26 के अनुपात में होगी। पहले चरण में रेंगाली जलविद्युत परियोजना के जलाशय में 300 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर क्षमता स्थापित की जाएगी। इसके पूरा होने पर, यह सुविधा दुनिया के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर परियोजना में से एक होने जा रही है। फ्लोटिंग सोलर एक विशिष्ट क्षेत्र है, एक ऐसा वर्टिकल जिसे अभी कई अन्य लोगों द्वारा अन्वेषण किया जाना बाकी है, जो हमें प्रथम निष्पादनकर्ता होने का लाभ प्रदान करता है।

आपके संगठन को अरुणाचल प्रदेश में नई और कुछ रुकी हुई जलविद्युत परियोजनाओं को विकसित करने का कार्य सौंपा गया है। इन परियोजनाओं के उचित उद्यम रिपोर्ट, मूल्यांकन और कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक टीम इस कार्य के लिए प्रतिनियुक्त की गई है।

दिनांक 05.01.2022 को, मुझे माननीय केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के.सिंह को नई उपलब्धि के बारे में अवगत कराने का अवसर प्राप्त हुआ और मैने एनएचपीसी के लिए उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन मांगा। माननीय मंत्री जी को एनएचपीसी की क्षमताओं पर बहुत भरोसा है और मैंने आश्वासन दिया है कि हम परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मैं हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर से दिनांक 23.01.2022 को शिमला (हिमाचल प्रदेश) में मिला और उन्हें 500 मेगावाट की डुगर जलविद्युत परियोजना की स्थिति के बारे में जानकारी दी। माननीय मुख्यमंत्रीजी ने परियोजना की विभिन्न लंबित स्वीकृतियों में तेजी लाने के लिए अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने एनएचपीसी से हिमाचल प्रदेश में विशेष रूप से रावी नदी में पंप स्टोरेज परियोजनाओं का क्रियान्वयन करने की संभावनाओं का पता लगाने का भी आग्रह किया है।

2000 मेगावाट की सुबनसिरी लोअर परियोजना में निर्माण गतिविधियाँ जोरों पर चल रही हैं। दिनांक 06.01.2022 से दिनांक 07.01.2022 तक परियोजना की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, मैंने देखा कि कुछ उल्लेखनीय प्रगति हुई है और परियोजना की टीम भरपूर प्रयास कर रही है, हालांकि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस यात्रा के दौरान मैंने दिनांक 06.01.2022 को श्री प्रदान बरुआ, माननीय संसद सदस्य (लखीमपुर), असम से भी मुलाकात की और उनसे परियोजना के निर्बाध निष्पादन के लिए स्थानीय लोगों के बीच अपने असर का उपयोग करने का अनुरोध किया। माननीय सांसद ने एनएचपीसी को अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जैसा कि आप जानते हैं, जुलाई 2021 से 800 मेगावाट की पार्बती–II जलविद्युत परियोजना में अत्यधिक पानी के घुसने के कारण डीबीएम फेस से एचआरटी उत्खनन का नुकसान हुआ है। हमें सुरंग का चक्कर लगाना पड़ा, लेकिन एक बार फिर अत्यधिक पानी का सामना करना पड़ा जिससे सुरंग में पानी भर गया। परियोजना ने सुरंग से पानी निकालने के साथ–साथ फेस पर कार्य शुरू करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं और मैंने दिनांक 20.01.2022 से दिनांक 23.01.2022 तक परियोजना के दौरे के दौरान साइट का निरीक्षण किया। आखिरकार, हम डीबीएम फेस से आगे बढ़ रहे हैं। 1000 मीटर से कम सुरंग खोदने के साथ, हम परियोजना के इस संकटग्रस्त घटक को पूरा करने के निकट पहुंच रहे हैं। मैंने सेरी नाला डायवर्जन कार्य स्थल का भी दौरा किया। इस नाले से अटल सुरंग के अंदर रिसाव हुआ है और इस नाले की डायवर्जन की जिम्मेदारी रक्षा मंत्रालय (बीआरओ) द्वारा एनएचपीसी को सौंपी गई है।

चमेरा पावर स्टेशन–I ने दिनांक 15.01.2022 के निर्धारित लक्ष्य से पहले दिनांक 12.01.2022 को हेड रेस टनल (एचआरटी) की मरम्मत और उसके बाद के भराव के कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। टीम चमेरा–I और अन्य संबंधितों ने सराहनीय कार्य किया है। यह टीम वर्क और सावधानीपूर्वक योजना का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मैं उन्हें बधाई देता हूँ और अच्छा कार्य करते रहने की कामना करता हूँ।

## इस माह की अन्य मुख्य विशेषताएँ :

- दिनांक 03.01.2022 को 'सांस्कृतिक संगम', गोरखपुर के कलाकारों ने एनएचपीसी कार्यालय परिसर, फरीदाबाद में महान स्वतंत्रता सेनानी के जीवन पर आधारित नाटक 'क्रांतिवीर आजाद' के माध्यम से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को यादगार श्रद्धांजलि दी। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को शुरू करने के लिए एनआईटी दुर्गापुर की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एनएचपीसी लिमिटेड और एनआईटी दुर्गापुर के बीच दिनांक 12.01.2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ हाइड्रो पावर के संयोजन और सम्मिश्रण के लिए परामर्श कार्य मेसर्स प्राइस वाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) को सौंपा गया है। इसका उद्देश्य सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराना और भारत सरकार के ऊर्जा गति के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। देश में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ हाइड्रो पावर को एकत्रित करने और जलविद्युत विकास को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप हेतु दिनांक 19.01.2022 को पीडब्ल्यूसी के साथ उपयोगी प्रारंभिक विचार–विमर्श किया गया।

- एनएचपीसी ने दिनांक 24.01.2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई।

- दिनांक दिनांक 26.01.2022 को जिला प्रशासन फरीदाबाद ने "सैनेटाइजेशन" के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एनएचपीसी को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

- 540 मेगावाट की क्वार जलविद्युत परियोजना के लिए पीआईबी की बैठक दिनांक 27.01.2022 को आयोजित की गई। परियोजना के लिए अंतिम सरकारी मंजूरी जल्द ही मिलने की उम्मीद है।

- डुगर जलविद्युत परियोजना(500 मेगावाट)के लिए ईपीसी निविदा दिनांक 31.01.2022 को जारी की गई है।

- जनवरी 2022 के महीने के दौरान,कुल राजस्व संग्रह 465.01 करोड़ रुपए था।

- जनवरी 2022 के अंत तक एनएचपीसी की सभी पावर स्टेशनों का कुल संचयी उत्पादन 22280.6 मिलियन यूनिट रहा है।

पिछले दो वर्षों के दौरान,प्रौद्योगिकी हमारे लिए सहायक सिद्ध हुई है,अधिकांश गतिविधियाँ दूरस्थ रूप से की जा रही हैं। इसीलिए यह जरूरी है कि हम अपनी तकनीकी क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ करें। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,मशीन लर्निंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स जैसी इन–बिल्ट कुशल तकनीकों के साथ अंतर्निहित नवीनतम ईआरपी सिस्टम को शुरू कर रहे हैं। नए ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए आरंभिक बैठक दिनांक 12.01.2022 को आयोजित की गई। मुझे विश्वास है कि नया ईआरपी समग्र प्रणाली में दक्षता लाने में मदद करेगा।

एक बार फिर मैं इस बात पर जोर देना चाहूँगा कि हमारे गौरवपूर्ण दिन आने वाले हैं। हमारे पास कई परियोजनाएं हैं और हमें उन्हें निर्धारित समय अवधि के भीतर पूरा करना होगा। इस कार्य को करने के लिए,हमें एक टीम के रूप में कार्य करना होगा। संगठन में ढुलमुल रवैये के लिए कोई जगह नहीं है। वरिष्ठ अधिकारियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है,वे न केवल टीमों का नेतृत्व करने में बल्कि युवा अधिकारियों को सलाह देने एवं उनका मार्गदर्शन करने का भी काम करते हैं। अनुशासन, समर्पण एवं कड़ी मेहनत की हमारी संस्कृति यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे पास प्रतिभाशाली और सक्षम पेशेवरों का बड़ा व्यवसायिक समूह होगा।

मैं आपको और आपके परिवार के सदस्यों को वसंत पंचमी के पावन अवसर पर बधाई देता हूँ।

आपका,

(ए. के. सिंह)
**अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक**

# FROM CMD's DESK

1st February, 2022

***Dear Colleague,***

In the past couple of years, we have steadily built up our portfolio of new projects. During this period, we have started construction in 6 new projects and many others are nearing final approval by the government. NHPC has already entered into a high growth zone and the upcoming new projects provide each of us a great opportunity to grow professionally and help NHPC take its place among the top organizations. The next 5-6 years demand greater application and commitment from you all. The one quality which often separate great organizations from the mediocre ones is the quality to meet the challenges front on and its ability to take decisive actions. I have stressed on these aspects and have encouraged and empowered you all to take bold decisions for the benefit of the organization. Still I have observed that most of us prefer status quo instead of moving forward decisively. Not making a decision will not solve the problem, it will only aggravate it. You are going to be the future senior officers, the future leaders of the organization and NHPC can't afford to have leaders hesitant to take decisions. If you do not take a decision, you are doing great injustice to the organization and to yourself also. Make a decision, even if turned out to be wrong. You will learn from your mistakes and the experience so gained will prepare you for future challenges.

I find one thing is missing in a majority of officers, analyzing their own work and performance. One should not limit his function to routine matters, it is also important to carry out self-assessment and to review his own works and contribution made towards growth of organization on daily basis. Adopting this approach, one can improve his efficiency and performance and certainly contribute his best towards growth of organization.

Another area where we need to work is in updating our professional knowledge and professional competence. In this fast moving and technologically developing world, one can never acquire sufficient professional knowledge. Professional knowledge and competence is interlinked with the decision making capabilities. Have you ever wondered why people do not make a decision? The answer is quite simple. It is because they lack professional competence and are hesitant in taking decision. According to the law of averages, if you take ten decisions, five ought to be right. If you have professional knowledge and professional competence, nine will be right, and the one that might not be correct will probably be put right by your senior officer or a colleague. It is my request to you all to focus on upgrading your skills and adding additional dimensions to your professional competence.

Further, I also urge, all officers and concerned to maintain friendly and cordial relations with the locals. We should also respect the local customs / traditions. We should be sensitive, very careful & cautious while dealing with local issues. This is important for creating a conducive environment and to gain the support of locals for timely construction of our Projects.

The first month of the year has begot some exciting developments for us. NHPC signed Promoters' Agreement with Green Energy Development Corporation of Odisha Ltd. (GEDCOL) on 04.01.2022 for “Development of 500 MW Floating Solar Projects on different water bodies in Odisha”. The equity shareholding of NHPC and GEDCOL in the proposed Joint Venture Company shall be in the proportion of 74:26. In the first stage 300 MW Floating Solar capacity will be installed in the reservoir of Rengali HE Project. On completion, this facility is going to be one of the largest Floating Solar Project in the world. Floating Solar is a niche area, a vertical which is yet to be explored by many others, giving us the first mover's advantage.

Your organization has been assigned to develop New and some stalled Hydro projects in Arunachal Pradesh. To expedite the due diligence report, evaluation and implementation of these projects a team of officers headed by an ED has been deputed for the work.

On 05.01.2022, I had the opportunity to apprise Hon'ble Union Minister of Power and New & Renewable Energy, Shri R.K. Singh about the new developments and sought his blessings and guidance for NHPC. Hon'ble Minister has a lot of faith in NHPC's capabilities and I have assured that we will leave no stone unturned for implementing the projects expeditiously.

I met the Hon'ble Chief Minister of Himachal Pradesh, Shri Jai Ram Thakur on 23.01.2022 at Shimla (HP) and briefed him about the status of 500 MW Dugar Hydroelectric Project. Hon'ble Chief Minister assured his support for expediting various pending clearances of the project. He also urged NHPC to explore the possibilities of implementing Pumped Storage Projects in Himachal Pradesh especially in Ravi River.

The construction activities at the 2000 MW Subansiri Lower Project are going on full swing. During my recent visit to the project from 06.01.2022 to 07.01.2022, I observed that some remarkable progress has been achieved and the project team is putting great efforts, although there are areas which need attention. During the visit I also met Shri Pradan Baruah, Hon'ble Member of Parliament (Lakhimpur), Assam on 06.01.2022 and requested him to use his influence among the locals for seamless execution of the project. Hon'ble MP assured his full support to NHPC.

As you are aware, the HRT excavation from the DBM face at 800 MW Parbati-II HEP has suffered since July 2021 due to heavy ingress of water. We had to detour the tunnel, but once again encountered heavy water which flooded the tunnel. Project has made a lot of efforts for dewatering the tunnel as well as starting work at face and I inspected the site during the visit to the project from 20.01.2022 to 23.01.2022. Finally, we are going ahead from the DBM face. With less than 1000 m of tunneling remaining, we are in touching distance of completing this beleaguered component of the project. I also visited Seri Nallah diversion work site. This Nallah has caused seepage inside the Atal Tunnel and the responsibility of diverting this Nallah has been entrusted to NHPC by Ministry of Defence (BRO).

Chamera Power Station-I successfully completed the repair of Head Race Tunnel (HRT) and its subsequent filling on 12.01.2022 ahead of scheduled target of 15.01.2022. Team Chamera-I and other concerned have done commendable job. This is an excellent example of team work and meticulous planning. My congratulations to them and aspire to keep up the good work.

**Other highlights of the month are:**

- Artists from 'Sanskritik Sangam', Gorakhpur on 03.01.2022 paid a memorable tribute to the Amar Saheed Chandra Shekhar Azad through the play 'Krantiveer Azad', based on the life of the legendry freedom fighter, at NHPC Office Complex, Faridabad. The cultural programme was organized under 'Azadi Ka Amrit Mahotsav'.
- An MoU was signed on 12.01.2022 between NHPC Limited and NIT Durgapur for availing the services of NIT Durgapur for undertaking R&D activities in the field of Science, Engineering and Technology.
- Consultancy work for bundling and blending of Hydro Power with other RE sources has been assigned to M/s Price Waterhouse Coopers (PWC). The objective is to provide power at cheaper rates and achieve the goals of Energy Transition of Govt of India. Fruitful preliminary deliberations were held with PWC on 19.01.2022 for bundling of Hydro power with RE sources and the roadmap to boost hydropower development in the country.
- NHPC observed 125$^{th}$ Birth Anniversary of Netaji Subhash Chandra Bose on 24.01.2022.
- On 26.01.2022, District Administration Faridabad awarded a Certificate of Appreciation to NHPC for the outstanding work done in the field of 'Sanitization'.
- PIB meeting for the 540 MW Kwar H E meeting was held on 27.01.2022. Final government approval for the project is expected shortly.
- EPC tender for Dugar HE Project (500 MW) has been floated on 31.01.2022
- During the month of January 2022, the total revenue collection was Rs. 465.01 crore.
- The total cumulative generation of all NHPC power stations till the end of January 2022 stood at 22280.6 MUs.

During the last two years, technology has proved to be our friend, with most activities being done remotely. Hence it is pertinent to further strengthen our technical capabilities. We are embarking on journey for a New age ERP System embedded with in-built intelligent technologies like Artificial Intelligence, Machine Learning and Advanced Analytics. The Kickoff meeting for Implementation of New ERP was held on 12.01.2022. I am sure that the new ERP will help in bringing efficiencies in the overall System.

Once again I would like to emphasize that our glory days are ahead. We have many projects in our kitty and we must complete them within the scheduled time period. To achieve this, we will have to work as a team. There is no room for laid back attitude in the organization. Seniors executives have a very important role, not only in leading the teams but also in mentoring and guiding the young executives. Our culture of discipline, dedication and hard work will ensure that we will have vast pool of talented and competent professionals.

I convey my greetings to you and your family members on the auspicious occasion of Vasant Panchami.

Sincerely yours,

**(A. K. Singh)**
**Chairman & Managing Director**